आपके हर रूप के लिए
www.femina.in
पसंदीदा हिंदी महिला पत्रिका*
FEMINA
सितंबर 2012, ₹40
फ़ेमिना
हक़ की लड़ाई
अब ऑफ़िस होगा और भी सुरक्षित
क्या बढ़ रही है किताबों से दूरी?
स्वाद और सेहतभरे चायनीज़ व्यंजन
"मुझे अपने संबंधों पर बात करने से कोई गुरेज़ नहीं."
कंगना राणाउत
MW59120901
* फ़ेमिना व इनोवेटिव रिसर्च सर्विसेज़ द्वारा वर्ष 2009 में भारत के चुनिंदा शहरों में कराई गई रिसर्च पर आधारित
कहानी विशेषांक
मिलिए इन चार युवा साहित्यकारों से
संघर्ष, हौसले, प्यार और सफलता की सच्ची दास्तां
5 ख़ास कहानियां